

पाड़ पुं. (देश.) 1. धोती या साड़ी की कोर या किनारी 2. मचान 3. कुएँ को ढकने के लिए फट्टियों या लकड़ियों का बना हुआ विशेष प्रकार का ढाँचा, जाली या ठठरी 4. बाँध, पुश्ता 5. वह तख्ता जिस पर मृत्युदंड के अपराधी को खड़ा करके फाँसी दी जाती है 'तिकठी', 'टिखटी' दे. पाढ़।

पाड़साली पुं. (देश.) दक्षिण भारत में रहने वाले जुलाहों की एक जाति जो गले में लिंग पहनते और सिर या मस्तक पर भस्म लगाते हैं मांसाहारी नहीं होते और एक गोत्र में विवाह नहीं करते।

पाड़ा पुं. (देश.) 1. मोहल्ला, टोला, पुरवा जैसे- "रावतपाड़ा" 2. भैंस का बच्चा (नर) 'पड़वा', 'पड़डा' 3. हिंद महासागर में पाई जाने वाली 3 फीट लंबी एक समुद्री मछली।

पाढ़ पुं. (तद्.) 1. सुनारों का नक्काशी करने का एक औजार 2. पीढ़ा या पाटा जिस पर बैठकर सुनार और लोहार काम करते हैं 3. फसल की रखवाली के लिए बनाया गया मचान 4. कुएँ के मुँह पर रखी लकड़ी की जाली, चट्ट या पाड़ 5. धोती या साड़ी का किनारा स्त्री. (तद्.) 1. पाढ़ा लता 2. धोती या साड़ी की किनारी 3. नदी की धारा।

पाढ़न-शैली स्त्री. (तद्.) पाठन शैली, पढ़ाने का ढंग या पद्धति।

पाढ़र पुं. (तद्.) पाटल या पाडर का वृक्ष वि. (देश.) किनारीदार (साड़ी या दुपट्टा आदि)।

पाढ़ी स्त्री. (देश.) 1. सूत की लच्छी 2. वह नाव जो यात्रियों को दूसरी पार पहुँचाने को नियत हो 3. नाव को धारा के अनुकूल खेने की क्रिया।

पाण पुं. (तत्.) 1. व्यापार, तिजारत, खरीद-बिक्री, व्यवसाय 2. व्यापारी, तिजारती।

पाणि पुं. (तत्.) हाथ, कर।

पाणिक पुं. (तत्.) जो एक पण में खरीदा जा सके, सौदा।

पाणिकर्मा पुं. (तत्.) शिव (हाथ से बाजा बजाने वाले)।

पाणिका पुं. (तत्.) 1. एक प्रकार का गीत या छंद 2. चम्मच के आकार का एक पात्र।

पाणिगृहणीय वि. (तत्.) 1. विवाह योग्य 2. विवाह में दिया जाने वाला उपहार 3. विवाह संबंधी।

पाणिगृहीत स्त्री. (तत्.) 'पत्नी'।

पाणिगृहीती वि. (तत्.) विवाह में जिसका पाणिग्रहण किया गया हो, धर्मानुसार बनाई हुई।

पाणिग्रहण पुं. (तत्.) विवाह की एक रीति जिसमें कन्या का पिता उसका हाथ वर के हाथ में देता है 2. विवाह, ब्याह, परिणय, शादी।

पाणिग्रहणिक वि. (तत्.) 1. विवाह संबंधी 2. विवाह में दिया जाने वाला (मंत्र आदि)।

पाणिग्राह/पाणिग्राहक पुं. (तत्.) पति, भर्ता।

पाणिघात पुं. (तत्.) 1. थप्पड़, मुक्का, चपत, घूँसा 2. मुक्केबाज, घूँसेबाज 3. मुक्केबाजी, घूँसेबाजी।

पाणिज पुं. (तत्.) 1. उँगली 2. नख, नाखून।

पाणितल पुं. (तत्.) 1. हथेली 2. एक परिमाण जो लगभग 20 ग्राम के बराबर होता है।

पाणिदाक्ष्य पुं. (तत्.) हस्तलाघव, हाथ की चालाकी।

पाणिधर्म पुं. (तत्.) विवाह-संस्कार।

पाणिनि पुं. (तत्.) अष्टाध्यायी नामक प्रसिद्ध सूत्रबद्ध व्याकरण ग्रंथ के रचयिता विख्यात मुनि, इनका समय ई.पूर्व चतुर्थ शती माना जाता है।

पाणिनीय वि. (तत्.) 1. पाणिनी कृत (ग्रंथ) 2. व्या. पाणिनी द्वारा कथित या प्रोक्त या उपदिष्ट 3. पाणिनी में श्रद्धा या भक्ति रखने वाला 4. पाणिनी का ग्रंथ पढ़ने वाला 5. पाणिनी का अनुयायी।

पाणिनीय दर्शन पुं. (तत्.) पाणिनी के अष्टाध्यायी नामक ग्रंथ में प्रतिपादित व्याकरण-दर्शन (व्याकरण-दर्शन का स्फोटवाद अत्यंत प्रसिद्ध है)।